पाठ - 37

प्रमुख खिलाड़ी

मेजर ध्यानचंद

'हॉकी' भारत का राष्ट्रीय खेल है। भारत में खेलों के इतिहास पर नज़र डालें तो पायेंगे कि हॉकी का एक स्वर्णिम युग रहा है। स्वतंत्रता से पहले जब खेलों के लिए सुविधाओं एवं प्रशिक्षण का अभाव था, उस समय भी अनेक ऐसे खिलाड़ी हुए जिन्होंने अपनी प्रतिभा एवं कड़े परिश्रम के बल पर भारत को विश्व में सम्मान दिलाया। हॉकी में भारत को पहचान दिलाने में मेजर ध्यानचन्द का विशेष योगदान है।

मेजर ध्यानचंद का जन्म 29 अगस्त 1905 को इलाहाबाद में हुआ था। बचपन से ही खेलों में इनकी विशेष रुचि थी। सन् 1922 ई0 में वे सेना में भर्ती हुए। चार वर्ष बाद ही उन्हें

भारतीय हॉकी टीम के साथ न्यूजीलैण्ड जाने का अवसर मिला। यहाँ अपने खेल से उन्होंने सबको बहुत प्रभावित किया। वे सन् 1928 ई0 के ओलम्पिक खेलों में भाग लेने एम्सटर्डम् पहुँचे। वहाँ भारत की हॉकी टीम ने अनेक देशों की हॉकी टीमों को हराकर भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता। यह एक गौरवपूर्ण घटना थी, किंतु इससे भी अधिक शानदार प्रदर्शन सन् 1936 ई0 में बर्लिन ओलम्पिक में मेजर ध्यानचन्द के नेतृत्व में भारतीय हॉकी टीम का था।

एक रोचक बात यह है कि इस खेल में हिटलर भी मौजूद था। उसी के सामने ध्यानचन्द ने चमत्कारिक ढंग से जर्मनी की टीम को पराजित किया। हिटलर ने ध्यानचन्द को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए अनेक प्रलोभन दिए किंतु इन प्रलोभनों के बावजूद भी ध्यानचन्द ने हिटलर का प्रस्ताव ठुकरा दिया। भारत का यह सपूत भारतीय फौज और हॉकी की सेवा में आजीवन समर्पित रहा।

मेजर ध्यानचन्द के जन्म दिवस (29 अगस्त) को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। वे खिलाड़ियों के सरताज 'दद्दा' के नाम से विख्यात थे। सन् 1956 ई0 में इन्हें 'पद्मभूषण' से सम्मानित किया गया। इनका नाम भारतीय खेल जगत में सदैव अमर रहेगा।

3 दिसम्बर सन् 1979 ई0 को लम्बी बीमारी के उपरान्त इनका निधन हो गया। इनकी याद में झाँसी स्थित एक 'स्टेडियम' का नाम 'मेजर ध्यानचन्द स्टेडियम' रखा गया। मेजर ध्यानचन्द का अनुसरण करके इनके भाई रूपचन्द ने भी हॉकी में भारत का नाम रोशन किया।

खेल जगत के अन्य क्षेत्रों में ऐसे और भी खिलाड़ी हैं जिन्होंने विश्व में भारत का नाम ऊँचा किया है।

सुनील गावस्कर

मैं तो एक हजार से भी खुश था, अब दस गुना खुश हूँ।"

-गावस्कर

रन संख्या 9999 और अब सुनील गावस्कर और क्रिकेट इतिहास के सुनहरे पन्ने के बीच में केवल एक रन की दूरी थी-सिर्फ 22 गज। एजाज़ फकीह की एक गेंद आई और

क्रिकेट के इस अनूठे 'लिटिल मास्टर' ने खूबसूरत कट लगाकर रन के लिए दौड़ लगा दी। खेल के पूरे इतिहास में एक रन के लिए उठे कदमों में कभी ऐसा उत्साह नहीं रहा। गावस्कर ने इन दो रनों के साथ अपने दस हजार रन पूरे किए और क्रिकेट इतिहास के सुनहरे पन्ने में अपना नाम अंकित कराया। पूरा देश उत्साहित था और स्वयं गावस्कर भी। इनका कहना था मैं तो एक हजार से भी खुश था, अब दस गुना खुश हूँ।''

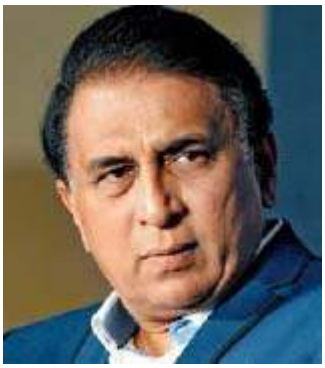

सुनील मनोहर गावस्कर का जन्म 10 जुलाई सन् 1949 ई0 में मुम्बई में हुआ। इनकी शिक्षा सेंट जेवियर्स हाईस्कूल एवं मुम्बई विश्व विद्यालय में हुई। गावस्कर के टेस्ट जीवन की शुरुआत सन् 1971 में वेस्टइंडीज दौरे से हुई।

सुनील गावस्कर एक मात्र बल्लेबाज हैं जिन्होंने एक कैलेण्डर वर्ष में 1000 रन चार बार बनाये। सुनील गावस्कर ने 1983 में चेन्नई में वेस्टइंडीज के विरुद्ध बिना आउट हुए 236 रन बनाए। यह उनके टेस्ट जीवन की सबसे बड़ी पारी थी।

सुनील मनोहर गावस्कर आँकड़े एक दृष्टि में

टेस्ट मैच बल्लेबाजी

टेस्ट	पारी	नाट आउट	रन योग	अधिकतम्	औसत	शतक	अर्द्धशतक	कैच
125	214	16	10122	236 अविजित	51.12	34	45	108

बल्लेबाजी एक दिवसीय मैच

मैच	पारी	नाट आउट	रन योग	अधिकतम	औसत	शतक	अर्द्धशतक	कैच
108	102	14	3092	103	35.13	1	27	22

सुनील गावस्कर ने अपने खेल जीवन में भारतीय टीम का कप्तान के रूप में नेतृत्व किया। वे एक उत्तम खिलाड़ी ही नहीं बल्कि एक कुशल लेखक भी हैं। इनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'सनिडेज' है। एक महान बल्लेबाज के रूप में गावस्कर जीते जी किंवदन्ती बन चुके हैं। इन्हें 'लिटिल मास्टर' के नाम से भी जाना जाता है।

दैनिक जीवन में खेलकूद का अति विशिष्ट स्थान है। खेल से संयम, दृढ़ता, गम्भीरता, एकाग्रता एवं सहयोग की भावना का विकास होता है। खेलकूद अनुशासन, विश्व-बन्धुत्व एवं शारीरिक विकास स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। खेलकूद आपस में मिलजुल कर रहना, बैर-भाव समाप्त करना तथा आपसी तालमेल के द्वारा लक्ष्य को प्राप्त करना सिखाता है।

अभ्यास

1. ओलम्पिक खेलों में भारत को प्रथम स्वर्णपदक किस खेल में मिला ? इस पदक को प्राप्त करने वाले प्रमुख खिलाड़ी के विषय में लिखिए।

2. सुनील गावस्कर को 10000 रन पूरा करने में किस प्रकार सफलता मिली ?

3. कौन से खेल में आपकी सर्वाधिक रुचि है और क्यों ?

4. सही मिलान कीजिए-

क. मेजर ध्यानचन्द के जन्म दिवस को	क. एक कुशल लेखक भी हैं।
ख. सुनील गावस्कर ने	ख. 'पद्म भूषण' से सम्मानित किया गया।
ग. मेजर ध्यानचन्द को सन् 1956 ई. में	ग. राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाते हैं।

घ. गावस्कर खिलाड़ी ही नहीं बल्कि घ. 'सनिडेज' नामक पुस्तक लिखी।

5. सही विकल्प चुनकर सही (√) का चिह्न लगाइए-

- दैनिक जीवन में खेलकूद का बहुत महत्त्व है क्योंकि-

  क. इससे समाज में प्रतिष्ठा बढ़ती है।

  ख. इससे धन मिलता है ।

  ग. यात्रा का सुख मिलता है।

  घ. इससे जीवन में अनुशासन आता है और शारीरिक विकास होता है।

6.. एक महान खिलाड़ी बनने के लिए किन-किन विशेषताओं का होना आवश्यक है ? अपने विचार लिखिए।

योग्यता विस्तार:

- पिछली कक्षाओं में आप साक्षात्कार के बारे में जानकारी प्राप्त कर चुके हैं। आपके गाँव/कस्बा/शहर में ऐसे खिलाड़ी हो सकते हैं जिन्होंने जनपद,प्रदेश अथवा राष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद में विशेष स्थान प्राप्त किया होगा। उन्हें अपने विद्यालय में आमंत्रित कर अथवा व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनका साक्षात्कार लीजिए और जानिए कि उन्होंने किस प्रकार इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त की।
- अपने पुस्तकालय की पत्र-पत्रिकाओं से देश के अन्य महान खिलाड़ियों के विषय में जानकारी प्राप्त कीजिए।